श्री हरिहरपुत्र अष्टोत्तर शतनामावलिः 2

ध्यनं -

द्विहस्तं पद्मसंस्थं च शुक्लयज्ञोपवीतिनं ।

पूर्णाया पुष्कलादेव्या युक्तं शास्तारमाश्रये ॥

1। ॐ शास्त्रे नमः

2। ॐ हरिहरोद्भूताय नमः

3। ॐ हरिहरपुत्राय नमः

4। ॐ उन्मत्तगजवाहनाय नमः

5। ॐ पुत्रलाभकराय नमः

6। ॐ मदनोद्भवाय नमः

7। ॐ शास्त्रार्थाय नमः

8। ॐ चैतन्याय नमः

9। ॐ चेतोद्भवाय नमः

10। ॐ उत्तराय नमः

11। ॐ रूपपंचकाय नमः

12। ॐ स्थानपंचकाय नमः

13। ॐ घृणये नमः

14। ॐ वीराय नमः

15। ॐ समुद्रवर्णाय नमः

16। ॐ कालाय नमः

17। ॐ परिग्रहाय नमः

18। ॐ अमृताय नमः

19। ॐ ब्रह्मरूपिणे नमः

20। ॐ विष्णुरूपिणे नमः

21। ॐ रुद्ररूपिणे नमः

22। ॐ वीररुद्राय नमः

23। ॐ प्रभवे नमः

24। ॐ स्त्रीरूपिणे नमः

25। ॐ खड्गधारिणे नमः

26। ॐ मातंगिने नमः

27। ॐ मोहनाय नमः

28। ॐ महामतये नमः

29। ॐ कामितदाय नमः

30। ॐ दिद्दक्षाय नमः

31। ॐ गरलाशनाय नमः

32। ॐ जातस्थाय नमः

33। ॐ महाकोटये नमः

34। ॐ मेधाविने नमः

35। ॐ द्विनेत्राय नमः

36। ॐ द्विभुजाय नमः

37। ॐ भूषिताय नमः

38। ॐ श्यामलाय नमः

39। ॐ यक्षाय नमः

40। ॐ नागयज्ञोपवीतधृते नमः

41। ॐ रक्तांबरधराय नमः

42। ॐ कुंडलोज्ज्वलाय नमः

43। ॐ सद्योजाताय नमः

44। ॐ सर्वसिद्धिकराय नमः

45। ॐ पाणिदेवाय नमः

46। ॐ पीतरक्ताय नमः

47। ॐ सम्यङ्नुताय नमः

48। ॐ सर्वाभरणसंयुक्ताय नमः

49। ॐ शक्तिपार्श्वाय नमः

50। ॐ विद्वेषाय नमः

51। ॐ मदनाय नमः

52। ॐ आर्याय नमः

53। ॐ कन्यासुताय नमः

54। ॐ मानिने नमः

55। ॐ विकृताय नमः

56। ॐ अमृताय नमः

57। ॐ विक्रमाय नमः

58। ॐ वीराय नमः

59। ॐ दाक्षिणात्याय नमः

60। ॐ हस्तीशाय नमः

61। ॐ चक्रेशाय नमः

62। ॐ दंडधारणाय नमः

63। ॐ मथनेशाय नमः

64। ॐ मंगळदाय नमः

65। ॐ पल्लवेशाय नमः

66। ॐ अस्त्रेशाय नमः

67। ॐ कुंचिताय नमः

68। ॐ व्यापकाय नमः

69। ॐ भूतपालाय नमः

70। ॐ बृहत्कुक्षये नमः

71। ॐ नीलांगाय नमः

72। ॐ कविभूषिताय नमः

73। ॐ धृतबाणाय नमः

74। ॐ चापधराय नमः

75। ॐ शक्त्यानंदितमूर्तिमते नमः

76। ॐ भूलोकाय नमः

77। ॐ यौवनाय नमः

78। ॐ भीमाय नमः

79। ॐ तुंगभंगाय नमः

80। ॐ कुंतलाय नमः

81। ॐ सारस्वताय नमः

82। ॐ योगपट्टाय नमः

83। ॐ बद्धपद्मासनाय नमः

84। ॐ साम्ने नमः

85। ॐ ईश्वराय नमः

86। ॐ छागावृताय नमः

87। ॐ श्वानावृताय नमः

88। ॐ कुक्कुटावृताय नमः

89। ॐ मेषावृताय नमः

90। ॐ पीतरक्ताय नमः

91। ॐ उत्पलाभाय नमः

92। ॐ धर्मिणे नमः

93। ॐ पद्मालयाय नमः

94। ॐ क्षीबाय नमः

95। ॐ भोगिने नमः

96। ॐ योगिने नमः

97। ॐ करालभूतास्त्राय नमः

98। ॐ भूतलीलाधारिणे नमः

99। ॐ भेतालसंवृताय नमः

100। ॐ आवृतप्रमथाय नमः

101। ॐ जटामकुटधारिणे नमः

102। ॐ रुंडमालाधराय नमः

103। ॐ भूताय नमः

104। ॐ भूतांडाय नमः

105। ॐ हुंकारभूताय नमः

106। ॐ कालरात्राय नमः

107। ॐ चामुंडाय नमः

108। ॐ पूर्णापुष्कलावल्लभाय नमः

इति श्रीहरिहरपुत्र अष्टोत्तर शतनामावलिः समाप्ता ॥